हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ
जोधपुर
14 सितम्बर, 2026

भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र–2, जोधपुर में हिन्दी दिवस के अवसर पर दिनांक 15 से 30 सितम्बर, 2026 तक हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के प्रभारी निदेशक, डॉ. प्रेम पाल रोहिल्ला ने कार्यक्रम में अपने उद्‌बोधन में कहा कि हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा बल्कि हमारे दिल की धड़कन है, इसका प्रयोग करते समय हमें गर्व की अनुभूति होनी चाहिए। हिन्दी एक सरल और सरस भाषा है, और आम आदमी की भाषा है। हिन्दी न केवल राष्ट्रीय स्तर बल्कि अतंराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव लगातार बढ़ा रही है। वर्तमान में हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली तीसरी सबसे लोकप्रिय भाषा है। उन्होंने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के विभिन्न प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि इस संस्थान में भी किसानों तक कृषि की नवीनतम तकनीकों की जानकारी को पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक हिन्दी भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. प्रेम पाल रोहिल्ला, अध्यक्ष राजभाषा अधिकारी ने कहा कि हम राजभाषा के अनुसार क्षेत्र वर्गीकरण में 'क' क्षेत्र में आते है, इसलिए हमें कार्यालय कार्य और दैनिक जीवन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाना चाहिये। हिन्दी में पत्राचार और फाइल पर टिप्पणी को यदि नियमित रूप से करेंगे तो निश्चित रूप से हम हिन्दी की बेहतर सेवा कर पांएगे। उन्होंने कहा की यदि हम हिन्दी का एक शब्द रोज अपने शब्दकोष में जोड़े तो एक वर्ष में हम बहुत सारे नए शब्द जोड़ लेंगे। इस कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में संस्थान के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने उत्साह से भाग लिया। सचांलन डॉ. बाबूलाल जांगिड़, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने किया तथा उन्होंने कहा कि हमें हिंदी में उपलब्ध साहित्यों का निरंतर अध्ययन करते रहना चाहिए तथा इसके प्रयोग में सुधार हेतु व्यक्तिगत स्तर निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। डॉ. गंगा देवी, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र) ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि कार्यालय एवं दैनिक उपयोग में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये जाने चाहिए। राजेंद्र बैंदा, सचिव राजभाषा एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।